# ‘मौत की डोर’ पर ढीली कार्रवाई, 15 साल में सिर्फ 141 लोगों पर मामला दर्ज

## वसंत पंचमी पर पतंग उड़ाएं, लेकिन ‘मौत की डोर’ से दूरी बनाएं, हर साल सैकड़ों घायल, फिर भी प्लास्टिक मांझे पर पुलिस की कार्रवाई नाकाफी

नो मोर प्लास्टिक डोर

**जासं, बठिंडा :** प्रतिबंधित प्लास्टिक डोर, जिसे आमतौर पर ‘मौत की डोर’ कहा जाता है, हर वर्ष पंजाब में सैकड़ों लोगों को घायल कर रही है और कई निर्दोष जानें ले चुकी है। इसके बावजूद जिले में पिछले लगभग 15 वर्षों के दौरान इस घातक मांझे के खिलाफ केवल 141 एफआइआर दर्ज होना पुलिस और प्रशासन की कमजोर कार्रवाई को उजागर करता है। यह स्थिति तब है, जब सरकार समय-समय पर इसकी खरीद-बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध के दावे करती रही है।

प्रतिबंधित प्लास्टिक डोर ● सौ. विभाग

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत दायर एक आरटीआई आवेदन से यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है। 31 अक्टूबर 2025 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, बठिंडा कार्यालय में दाखिल आरटीआई के जवाब में पुलिस ने 18 दिसंबर 2025 को जानकारी दी, जो जनवरी 2026 में प्राप्त हुई। इसके अनुसार वर्ष 2011 से 16 नवंबर 2025 तक बठिंडा जिले के विभिन्न पुलिस थानों में प्रतिबंधित प्लास्टिक डोर से संबंधित कुल 141 एफआईआर दर्ज की गईं। आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2013 में सबसे अधिक 19 एफआईआर दर्ज की गईं। इसके बाद वर्ष 2015 और 2025 में 18-18 मामले सामने आए। वर्ष 2022 में 16 और 2023 में 13 केस दर्ज हुए। औसतन यह संख्या केवल 9.4 एफआईआर प्रति वर्ष बनती है, जिसे इस घातक मांझे के व्यापक उपयोग और खुलेआम बिक्री को रोकने के लिए अपर्याप्त माना जा रहा है।

**आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2013 में सबसे अधिक 19 केस दर्ज, वहीं वर्ष 2015 और 2025 में 18-18 मामले सामने आए**

**एफआइआर का वर्षवार विवरण**

| | |
|---|---|
| 2013 | 19 केस |
| 2015 | 18 केस |
| 2022 | 16 केस |
| 2023 | 13 केस |
| 2025 (16 नवंबर तक) | 18 केस |

**कुल : 141 केस (2011–2025)**

### इंसानों के साथ पशु-पक्षी भी बन रहे शिकार

आरटीआइ से मिली जानकारी के अनुसार प्रतिबंधित प्लास्टिक डोर से न केवल लोग, बल्कि पशु और पक्षी भी बड़ी संख्या में घायल हुए हैं। कई मामलों में उनकी दर्दनाक मौतें हुई हैं। इस मांझे से गर्दन, हाथ, बाजू, कान, आंख, नाक और उंगलियों तक में गहरे कट लगने की घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं। खुले आसमान में उड़ते पक्षी अक्सर इस तेज धार वाले मांझे में उलझकर तड़पते हुए दम तोड़ देते हैं। पर्यावरण और वन्यजीव प्रेमियों का कहना है कि बसंत पंचमी और मकर संक्रांति के आसपास यह खतरा और बढ़ जाता है। कानूनी प्रावधान, फिर भी लचर अमल जानकारी के अनुसार वर्ष 2020 से पहले इन मामलों में मुख्य रूप से भारतीय दंड संहिता की धारा 188 के तहत केस दर्ज किए जाते थे। बाद के वर्षों में पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 सहित अन्य धाराएं भी जोड़ी जाने लगीं। बावजूद इसके, धरातल पर न तो बिक्री पर पूरी तरह रोक लग सकी और न ही उपयोग पर। प्रशासन द्वारा समय-समय पर आदेश और नोटिफिकेशन जारी कर प्रतिबंध लागू करने के दावे किए जाते रहे हैं, लेकिन मुनाफे के लालच में कुछ दुकानदार आज भी चोरी-छिपे इस गैरकानूनी डोर की बिक्री कर रहे हैं।

सामाजिक जिम्मेदारी की अपील आरटीआई कार्यकर्ता संजीव गोयल ने आम लोगों से अपील की है कि वे बसंत पंचमी का पर्व जरूर मनाएं और पतंगबाजी का आनंद लें, लेकिन प्रतिबंधित चाइना या प्लास्टिक मांझे का पूर्ण बहिष्कार करें। साधारण और सुरक्षित सूती मांझे का उपयोग कर न केवल अपनी, बल्कि दूसरों, पशुओं और पक्षियों की जान भी बचाई जा सकती है। कुछ घंटों के शौक के लिए किसी की जिंदगी से खिलवाड़ करना किसी भी तरह उचित नहीं ठहराया जा सकता। लोगों को इसके प्रति जागरूक होने की जरूरत है।

## प्रतिबंधित प्लास्टिक डोर बेचने के आरोप में दुकानदार गिरफ्तार

**जासं, बठिंडा :** कनाल कालोनी थाना की पुलिस ने प्रतिबंधित प्लास्टिक डोर की बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक दुकानदार को नामजद किया है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से प्रतिबंधित प्लास्टिक डोर के आठ गट्टू बरामद किए हैं। हवलदार तरसेम सिंह ने बताया कि जिले में प्रतिबंधित प्लास्टिक डोर की बिक्री पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि नरुआना रोड निवासी हरिओम मुल्तानियां पुल के पास स्थित अपनी दुकान में प्रतिबंधित प्लास्टिक डोर की बिक्री कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर छापेमारी कर दुकान से करीब आठ प्रतिबंधित प्लास्टिक डोर बरामद किए।

शिविर के दौरान वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डा. पामिल बंसल जानकारी देती हुई ● विभाग

## टीकाकरण कार्यक्रम को लेकर कर्मियों को दिया प्रशिक्षण

**जागरण संवाददाता, बठिंडा :** लड़कियों को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारी से बचाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा जल्द ही एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। इस कार्यक्रम की सफलता के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संगत में एक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डा. पामिल बंसल ने की। इस प्रशिक्षण शिविर में स्वास्थ्य ब्लॉक संगत की सीएचओ, एएनएम तथा स्वास्थ्य पर्यवेक्षकों ने भाग लिया। डा. बंसल ने बताया कि एचपीवी वायरस के कारण होने वाला सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में तेजी से बढ़ती स्वास्थ्य समस्या बन रहा है। समय पर एचपीवी वैक्सीन लगाकर भविष्य में कैंसर के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

**सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारी से बचाने के उद्देश्य से एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है**

उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश दिए कि टीकाकरण अभियान के दौरान अभिभावकों एवं समुदाय को एचपीवी वैक्सीन के बारे में सही और वैज्ञानिक जानकारी दी जाए, ताकि किसी भी प्रकार की भ्रांति दूर की जा सके। प्रशिक्षण के दौरान ब्लाक हेल्थ एजुकेटर साहिल पुरी सहित अन्य प्रशिक्षकों ने वैक्सीन की महत्ता, डोज शेड्यूल, कोल्ड चेन प्रबंधन, टीकाकरण प्रक्रिया, रिकॉर्ड रख-रखाव एवं रिपोर्टिंग प्रणाली की विस्तृत जानकारी दी। इस पहल से न केवल लड़कियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने में मदद मिलेगी, बल्कि स्वास्थ्य जागरूकता भी बढ़ेगी।

## बठिंडा में सिरसा की छात्रा ट्रेन से गिरकर घायल, करवाया भर्ती

**जासं, बठिंडा :** सिरसा जिले की 15 वर्षीय नाबालिग छात्रा आरती बीती शनिवार रात में चलती ट्रेन से गिर गई। हादसे में उसकी गंभीर चोटें आईं। नौजवान वेलफेयर सोसायटी की मदद से उसे अस्पताल पहुंचाया गया और इलाज करवाया गया। घायल आरती ने बताया कि वह 10वीं कक्षा की छात्रा है और पिछली बोर्ड परीक्षा में दो विषयों में फेल हो गई थी। इस कारण घर में लगातार डांट और तनाव रहता था। शनिवार को तंग आकर उसने अपने माता-पिता को बिना बताए घर से निकलने का निर्णय लिया। आरती सिरसा से बठिंडा के लिए ट्रेन में बैठी और वहां से अबोहर जाने वाली ट्रेन पकड़ ली। वह ट्रेन में दरवाजे के पास खड़ी थी, तभी अचानक तेज हवा का झोंका आया और उसका संतुलन बिगड़ गया, जिससे वह ट्रेन से गिर गई। हादसे के बाद आरती पत्थरों पर गिर गई और कुछ समय तक बेहोशी की स्थिति में पड़ी रही। जब होश आया, तो वह खून बहते हुए और चिल्लाते हुए करीब आधे घंटे तक पैदल चली। कोहरे में दूर एक हल्की रोशनी देख, वह उड़िया कालोनी के पास एक घर तक पहुंची और मदद मांगी। नौजवान वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष सोनू माहेश्वरी ने बताया कि उन्हें रात करीब 10 बजे घायल लड़की की सूचना मिली। टीम तुरंत मौके पर पहुंची।

# कम दृश्यता बनी हादसों का कारण एक दर्जन से अधिक लोग घायल

## अलग-अलग मार्गों पर हुए सड़क हादसों में पीआरटीसी की चार बसें क्षतिग्रस्त

**जागरण टीम, मौड़ मंडी/ भुच्चो मंडी :** बठिंडा और आसपास के क्षेत्रों में रविवार सुबह घने कोहरे के कारण दृश्यता बेहद कम रही। इसी वजह से अलग-अलग मार्गों पर हुए सड़क हादसों में एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों को तुरंत जिले के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया। हादसों में पंजाब रोडवेज ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (पीआरटीसी) की चार बसों समेत आधा दर्जन से अधिक वाहन क्षतिग्रस्त हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कोहरा इतना घना था कि कुछ मीटर से आगे कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। इसी कारण चालक समय पर ब्रेक नहीं लगा सके और हादसे एक के बाद एक होते चले गए। सूचना मिलते ही सड़क सुरक्षा फोर्स और थाना कोटफत्ता की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल भेजा गया और क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात बहाल किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्राथमिक जांच में सभी हादसों का कारण घना कोहरा और कम दृश्यता पाया गया है। जांच जारी है और हादसों से जुड़े तथ्यों को एकत्र किया जा रहा है।

बठिंडा-मानसा रोड पर गांव माइसरखाना के पास हुए हादसे में क्षतिग्रस्त हुए वाहन ● जागरण

### पहला हादसा

**बस और ट्राले की टक्कर**

बठिंडा-मानसा मुख्य मार्ग पर धार्मिक स्थल माइसरखाना के पास सुबह कोहरे के कारण दृश्यता कुछ मीटर तक ही सीमित थी। इसी दौरान सड़क पर मोड़ काट रहे एक ट्राले से सामने से आ रही पीआरटीसी बस टकरा गई। इस टक्कर में बस चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि कई यात्री भी चोटिल हुए। कुछ ही देर बाद पीछे से आ रही दूसरी बस भी समय पर ब्रेक नहीं लगा सकी और पहली बस से जा टकराई। इस भिड़ंत में आधा दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए। हादसे के बाद सड़क पर लंबा जाम लग गया। इसके बाद सिलेंडर से भरा एक ट्रक उसी ट्राले से टकरा गया और अंत में पीछे से आ रही एक अन्य पीआरटीसी बस भी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस क्रमिक टक्कर में दर्जनों लोग घायल हुए। मौके पर पहुंची एंबुलेंसों ने घायलों को सिविल अस्पताल बठिंडा और मौड़ अस्पताल पहुंचाया। डीएसपी हरविंदर सिंह सरां ने बताया कि हादसे में आठ लोग घायल हुए हैं, जिनमें चार को बठिंडा और चार को मौड़ अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालत स्थिर बताई जा रही है।

### दूसरा हादसा

**इनोवा और बस की भिड़ंत**

इसी मार्ग पर गांव कोटफत्ता के पास एक इनोवा कार गलत दिशा से आ गई और सामने से आ रही पीआरटीसी बस से टकरा गई। इस टक्कर में कार सवारों के साथ-साथ बस के यात्री भी घायल हुए। सभी को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया।

### तीसरा हादसा

**ट्रैक्टर-ट्राली और बस आमने-सामने**

बठिंडा-रामपुरा रोड पर अबोहर से चंडीगढ़ जा रही पीआरटीसी बस जब भुच्चों कैंचियां के पास सर्विस रोड की ओर मुड़ रही थी, तभी गलत साइड से आ रहे ट्रैक्टर-ट्राली से उसकी जोरदार टक्कर हो गई।

## सर्दियों में संतुलित और पौष्टिक आहार स्वास्थ्य के लिए लाभकारी

**संवाद सहयोगी, जागरण ● बठिंडा :** सर्दियों के मौसम में ठंड बढ़ने के साथ ही विभिन्न बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। सर्दियों में स्वास्थ्य को लेकर सतर्कता जरूरी हैं। इस संबंधी इंद्राणी अस्पताल के एमडी मेडिसिन विशेषज्ञ डा. अतिन गुप्ता के अनुसार इस मौसम में सर्दी-खांसी, बुखार, सांस संबंधी रोग, जोड़ों का दर्द और हृदय रोगियों की समस्याएं अधिक सामने आती हैं। ऐसे में आम लोगों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। डा. अतिन गुप्ता ने बताया कि ठंड से बचाव के लिए शरीर को गर्म रखना सबसे आवश्यक है। ऊनी कपड़े, जैकेट, मोजे, टोपी और दस्तानों का प्रयोग अवश्य करें। बच्चों और बुजुर्गों को ठंडी हवा से बचाना चाहिए, क्योंकि उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता अपेक्षाकृत कम होती है। उन्होंने कहा कि सर्दियों में संतुलित और पौष्टिक आहार स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है। हरी सब्जियां, मौसमी फल, दूध, दही, सूखे मेवे और गर्म सूप का सेवन करने से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। विटामिन-सी युक्त फल सर्दी-जुकाम से बचाव में सहायक होते हैं। इसलिए दिनभर गुनगुना पानी पीते रहना चाहिए।

डा. अतिन गुप्ता●

### जन्मतिथि मुबारक

मन्नत शर्मा

उदयजोत चहल

### सलामत रहे जोड़ी

पम्मा अरोड़ा व नेहा अरोड़ा

## नशा तस्करी व नशा सेवन के मामलों में 16 लोग गिरफ्तार

**जासं, बठिंडा :** पुलिस ने नशा तस्करी के मामले में 16 लोगों को नामजद किया है। इनमें 11 आरोपी नशा तस्करी तथा पांच आरोपित नशा सेवन करते हुए पकड़े गए। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से हेरोइन व नशीली गोलियां बरामद की हैं।

कोतवाली पुलिस के सहायक थानेदार धर्म सिंह ने बताया कि रिंकी कुमार निवासी ढिल्लो कॉलोनी परसराम नगर, बठिंडा को कपास मंडी के पास से 3 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया। सिविल लाइन थाना पुलिस के सहायक थानेदार सुखमंदर सिंह ने बताया कि रविंदर सिंह निवासी कच्चा धोबियाना बस्ती, रंजीत सिंह निवासी कैंट रोड धोबियाना बस्ती तथा धरमिंदर सिंह निवासी धोबियाना बस्ती को टी-प्वाइंट कैंट रोड, पानी वाली डिग्गी के पास से 12 ग्राम हेरोइन सहित काबू किया गया। सदर बठिंडा पुलिस के हवलदार जसवंत सिंह ने बताया कि मलकीत सिंह निवासी बीड़ तालाब को सरहंद नहर पटड़ी के पास से 6 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया। वहीं सदर बठिंडा पुलिस के सहायक थानेदार नवयुगदीप सिंह ने बताया कि युवराज सिंह सिद्धू, विक्की, आकाश कुमार, मलकीत सिंह और करनी सिंह को लिंक रोड दयोल के पास नशा सेवन करते हुए पकड़ा गया।

## रेलवे स्टेशन के नवनिर्माण को भेजा पत्र

- बस स्टैंड वाली तरफ स्टेशन का गेट, टिकट घर बनाने की मांग
- प्लेटफार्म नंबर वन पर शेड बनाने सहित अन्य मांग की गई

**संवाद सहयोगी, जागरण ● मानसा:** रेलवे स्टेशन के नवनिर्माण के चलते बस स्टैंड वाली तरफ रेलवे स्टेशन का गेट, टिकट घर बनाने की मांग न जोर पकड़ लिया है। शहर के लोगों ने स्टेशन मास्टर को मांग पत्र देने के बाद रेलवे मंत्री अश्वनी वैष्णव व राज रेलवे मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को मिलकर स्टेशन से जुड़ी यह मांग पूरी करवाने की बात कही। रेलवे मंत्रालय द्वारा स्टेशन की नई बिल्डिंग तैयार की जा रही है जिसका काफी हिस्सा बनकर तैयार हो गया है।

मानसा रेलवे स्टेशन डवलपमेंट एसोसिएशन के आह्वान पर भाजपा नेता मनीष बब्बी दानेवालिया, भाजपा जिलाध्यक्ष गोमाराम पूनिया, समीर छाबड़ा, मक्खन लाल, विनोद काली, सुनील शर्मा, संजीव गोयल, आशीष अग्रवाल, रोहित बंसल, प्रेम सागर भोला स्टेशन मास्टर को मिले। मनीष बब्बी दानेवालिया व जतिंद्र आगरा ने कहा कि शहर की आधी आबादी बस स्टैंड साइड और आधी आबादी लाइन से पार बसती है लेकिन करोड़ों रुपये की लागत से बन रहे नये रेलवे स्टेशन में बस स्टैंड साइड पर कोई भी गेट यात्रियों के लिए रेलवे स्टेशन का रास्ता नहीं रखा जा रहा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा धार्मिक व सभ्याचार को ध्यान में रखते हुए इस बिल्डिंग का निर्माण किया जा रहा है।

स्टेशन मास्टर को मांग पत्र देते मनीष बब्बी दानेवालिया व अन्य ● जागरण

उन्होंने मांग की कि बस स्टैंड वाली तरफ रेलवे स्टेशन की एंट्री बनाई जाए। प्लेटफार्म नंबर वन पर शैड बनाया जाए, प्लेटफार्म नंबर 2 पर वाशरूम बनाने के साथ-साथ अमृत भारत स्कीम तह पूरे स्टेशन पर पत्थर लगाने की जरूरत है। पेड़ों के आस-पास चारदीवारी में पत्थर लगाने का काम भी अधूरा है। उन्होंने कहा कि काम में तेजी लाने के साथ-साथ कुछ गाड़ियों का मानसा में ठहराव यकीनी बनाया जाए।

बठिंडा, मानसा, जाखल सेक्शन व नई गाड़ियां चलाई जाएं। रेलवे स्टेशन से लोडिंग व अनलोडिंग प्लेटफार्म शहर से बाहर बनाए जाएं क्योंकि स्पेशल लगने पर ट्रकों के आवागमन से हादसे घटने का डर व ट्रैफिक समस्या गंभीर बन जाती है। दानेवालिया ने मांग की कि तख्त श्री दमदमा साहिब तलवंडी साबो से वाया मानसा, बरनाला तक रेलवे ट्रैक बनाने की भी जरूरत है।

## एनपीएस कर्मचारी मुख्यमंत्री के खिलाफ करेंगे प्रदर्शन

**संवाद सहयोगी, जागरण ● मानसा:** पुरानी पेंशन बहाली संघर्ष कमेटी पंजाब और सीपीएफ कर्मचारी यूनियन पंजाब के संयुक्त प्रोग्राम का ऐलान करते जिला कन्वीनर दर्शन सिंह अलीशेर, को-कन्वीनर लखविंदर सिंह मान और राज्य को-कन्वीनर करमजीत सिंह तामकोट ने कहा कि पिछले चार साल से पंजाब सरकार अपने चुनावी वादे को लागू करने में नाकाम रही है, जो 18 नवंबर 2022 को पुरानी पेंशन बहाली के लिए एक लचर नोटिफिकेशन जारी किया गया था। तीन साल बाद भी पंजाब सरकार इसे लागू नहीं कर पाई है। विरोध के तौर पर नेताओं ने ऐलान किया कि एनपीएस कर्मचारियों का सब्र खत्म हो गया है। इसके तहत मुख्यमंत्री पंजाब में जहां भी जाएंगे, उनका काले झंडों से स्वागत किया जाएगा और कड़ा विरोध दर्ज कराया जाएगा। 19 फरवरी को ब्लाक और जिला लेवल पर पंजाब सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किए जाएंगे। पंजाब विधानसभा के बजट सेशन के दौरान एनपीएस कर्मचारियों का एक ग्रुप विधानसभा की तरफ मार्च करेगा। इस बारे में दोनों संगठनों के नेताओं ने ब्लाक लेवल पर प्लानिंग और तैयारी शुरू कर दी है, क्योंकि अब सरकार की शिकायत से तंग आकर कर्मचारी पूरे देश में संघर्ष करने के लिए तैयार हैं। इस मौके पर बेअंत सिंह रढ़, गुरदीप बरनाला, इकबाल उभ्भा, गुरजीत रढ़, गुरजंट नंगल, जनक समाओ, जसविंदर जोगा, हरजिंदर अनूपगढ़ कुलदीप अक्कांवाली, सुखविंदर माखा, राजविंदर मौजूद थे।

## शीत लहर का कहर तेज, कोहरे से जनजीवन हुआ ठप

- मानसा और इसके आसपास के इलाकों में घना कोहरा छाया रहा
- वाहन चालक कोहरे में यात्रा करते समय पूरी सावधानी प्रयोग करें

**संवाद सहयोगी, जागरण ● मानसा :** हिमाचल प्रदेश के ऊंचे पहाड़ी इलाकों में लगातार और भारी बर्फबारी से उत्तरी भारत के मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। पहाड़ों से बह रही बर्फीली हवाओं ने मैदानी क्षेत्रों का रुख कर लिया है, जिसके चलते पंजाब में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे ने पूरे जनजीवन को अपनी चपेट में ले लिया है।

सुबह से ही ठंडी हवाओं और घनी धुंध ने लोगों को घरों में रहने के लिए मजबूर कर दिया, जिससे सामान्य जीवन की रफ्तार बुरी तरह प्रभावित हुई है। हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही बर्फबारी का असर केवल पंजाब तक सीमित नहीं रहा, बल्कि हरियाणा और राजस्थान के कई इलाकों में भी शीत लहर ने अपना प्रभाव दिखाना शुरू कर दिया है। रविवार को सुबह मानसा और इसके आसपास के इलाकों में घना कोहरा छाया रहा। कोहरे की घनता इतनी अधिक थी कि चारों ओर सब कुछ सफेद चादर से ढका हुआ दिखाई दे रहा था। सड़कों, खेतों, पेड़ों और इमारतों की दृश्यता बेहद कम रही। कोहरे के कारण सुबह 11 बजे तक हाईवे पर वाहन चालकों को लाइट जलाकर सफर करना पड़ा। मौसम में आई अचानक तब्दीली और घने कोहरे ने किसानों के लिए कुछ हद तक राहत भी दी है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार यह कोहरा और ठंड गेहूं की खड़ी फसल के लिए लाभकारी साबित हो सकती है। ट्रैफिक पुलिस का कहना है कि कोहरे के बढ़ने से सड़क हादसों में वृद्धि की आशंका बनी रहती है। मौसम विभाग ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे कोहरे में यात्रा करते समय पूरी सावधानी प्रयोग करें। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार आने वाले कुछ दिनों में कोहरा और ठंड और अधिक बढ़ सकती है। यदि हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी जारी रही तो पंजाब और आसपास के राज्यों में शीत लहर का असर और तेज होने की संभावना है।

नेशनल हाईवे नंबर 703 पर कोहरे के बीच चलते वाहन ● वीडियोग्रैब

ਬਠਿੰਡਾ ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਅਥਾਰਟੀ, ਬਠਿੰਡਾ
ਬੀ.ਡੀ.ਏ ਕੰਪਲੈਕਸ, ਭਾਗੂ ਰੋਡ, ਬਠਿੰਡਾ

ਜਨਤਕ ਨੋਟਿਸ

ਆਮ ਪਬਲਿਕ ਨੂੰ ਸੂਚਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਮੰਗਲਮ ਹੋਮਜ਼, ਪਿੰਡ ਡੂਮਵਾਲੀ ਜਿਲ੍ਹਾ ਬਠਿੰਡਾ ਨਾਮ ਦੀ ਰਿਹਾਇਸ਼ੀ ਕਲੋਨੀ ਰਕਬਾ 24.54 ਏਕੜ ਨੂੰ ਡਿਵੈਲਪ ਕਰਨ ਲਈ ਬੀਡੀਏ/ਪੁੱਡਾ ਵਲੋਂ ਲਾਈਸੰਸ ਨੰ: 002/2024 ਮਿਤੀ: 22.07.2024 ਨੂੰ ਜਾਰੀ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ। ਹੁਣ ਕਲੋਨੀ ਦੇ ਪ੍ਰਮੋਟਰ ਵਲੋਂ ਦਫਤਰ ਵਿਖੇ ਕਲੋਨੀ ਵਿਚ 5.225 ਏਕੜ ਵਾਧਾ ਕਰਦੇ ਹੋਏ 29.765 ਏਕੜ ਦਾ ਲੇ-ਆਊਟ ਰਿਵਾਇਜ ਕਰਵਾਉਣ ਲਈ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਪ੍ਰਾਰਥੀ ਵਲੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਪ੍ਰਵਾਨਤ ਲੇ-ਆਉਟ ਅਤੇ ਹੁਣ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੇ ਗਏ ਲੇ-ਆਊਟ ਪਲੈਨ ਵਿੱਚ ਈ.ਡਬਲਯੂ.ਐਸ ਸਾਈਟ, ਸਕੂਲ ਸਾਈਟ, ਪਾਰਕਾਂ ਅਧੀਨ ਏਰੀਆ ਅਤੇ ਖਸਰਾ ਨੰਬਰ 2,4,7,3/1, 3/2, 10/2, 9/1, 9/2, 8/1, 8/2, 11/1, 12/1, 12/2, 13/1, 13/2 ਅਤੇ ਖਸਰਾ ਨੰ.: 20/1, 20/2/1, 20/2/2 ਵਿੱਚ ਪੈਂਦੇ ਪਲਾਟਾਂ ਵਿੱਚ ਤਬਦੀਲੀ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ।

ਇਸ ਜਨਤਕ ਨੋਟਿਸ ਰਾਹੀਂ ਆਮ ਜਨਤਾ ਨੂੰ ਸੂਚਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜੇਕਰ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਉਕਤ ਪ੍ਰਵਾਨ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ਵਾਲੇ ਲੇ-ਆਊਟ ਸਬੰਧੀ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ ਹੈ ਤਾਂ ਇਸ ਜਨਤਕ ਨੋਟਿਸ ਦੀ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨਾ ਦੀ ਮਿਤੀ ਤੋਂ 15 ਦਿੱਨਾਂ ਦੇ ਅੰਦਰ ਅੰਦਰ ਕਮਰਾ ਨੰ: 211, ਬੀ.ਡੀ.ਏ ਦਫਤਰ ਭਾਗੂ ਰੋਡ, ਬਠਿੰਡਾ ਵਿਖੇ ਲਿਖਤੀ ਤੌਰ ਤੇ ਆਪਣਾ ਇਤਰਾਜ ਦਾਇਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ। ਨਿਰਧਾਰਤ ਮਿਤੀ ਉਪਰੰਤ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਏ ਇਤਰਾਜਾਂ ਉਪਰ ਕੋਈ ਵੀ ਵਿਚਾਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਰਿਵਾਇਜ ਲੇ-ਆਉਟ ਪਲੈਨ ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਦਫਤਰ ਉਪਰ ਡਿਸਪਲੇਅ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ:-

ਦਫਤਰ ਮੁੱਖ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਕ, ਬੀਡੀਏ, ਬਠਿੰਡਾ।
ਦਫਤਰ ਜਿਲ੍ਹਾ ਨਗਰ ਯੋਜਨਾਕਾਰ, ਬਠਿੰਡਾ।
ਦਫਤਰ ਨਗਰ ਨਿਗਮ, ਬਠਿੰਡਾ।
ਦਫਤਰ ਜਿਲ੍ਹਾ ਪ੍ਰਬੰਧਕੀ ਕੰਪਲੈਕਸ, ਬਠਿੰਡਾ।
ਸਬੰਧਤ ਕਲੋਨੀ ਵਿਖੇ।

ਵਧੀਕ ਮੁੱਖ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਕ, ਬੀਡੀਏ ਬਠਿੰਡਾ।

## Latest Jobs

Jagran Josh
www.jagranjosh.com

### OPSC: सिविल सेवा एवं अन्य पद

- **अंतिम तिथि:** 20 फरवरी, 2026
- **शैक्षणिक योग्यता:** किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से डिग्री एवं अन्य समकक्ष योग्यता
- **वेबसाइट/आवेदन:** opsc.gov.in

### JKSSB : 1815 कॉन्स्टेबल (एग्जीक्यूटिव) पद

- **अंतिम तिथि:** 17 फरवरी, 2026
- **शैक्षणिक योग्यता:** किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड/संस्थान से मैट्रिक एवं अन्य समकक्ष योग्यता
- **वेबसाइट/आवेदन:** jkssb.nic.in

### इंडियन आर्मी : 350 (SSC-तकनीकी) पुरुष पद

- **अंतिम तिथि:** 05 फरवरी, 2026
- **शैक्षणिक योग्यता:** किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से इंजीनियरिंग में डिग्री एवं अन्य समकक्ष योग्यता
- **वेबसाइट/आवेदन:** joinindianarmy.nic.in

### आईआईटी जम्मू: नॉन टीचिंग पद

- **अंतिम तिथि:** 03 फरवरी, 2026
- **शैक्षणिक योग्यता:** किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से ग्रेजुएट/मास्टर एवं अन्य समकक्ष योग्यता
- **वेबसाइट/आवेदन:** iitjammu.ac.in

### नौकरी टिप्स

**ग्रेजुएट पास हैं तो करें सेंट्रल इंटेलिजेंस ऑफिसर की सरकारी नौकरी के लिए आवेदन**

अगर आप ग्रेजुएट पास युवा हैं तो सेंट्रल इंटेलिजेंस ऑफिसर की सरकारी नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं जहाँ क्राइम से सम्बंधित आंकड़ों की जांच, एनालिसिस और विवेचना का कार्य करना होता है. मिनिस्ट्री ऑफ होम अफेयर्स के अधीन इंटेलिजेंस ब्यूरो के सेंट्रल फोरेंसिक साइंस लैबोरेट्री सहित अन्य संगठनों में सेंट्रल इंटेलिजेंस ऑफिसर की सरकारी नौकरी के लिए ढेरों मौके निकलते हैं. फिजिक्स या केमिस्ट्री में पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री (एमएससी) पास युवा इन पदों के लिए कोशिश कर सकता है.

**अधिक जानकारी के लिए विजिट करें www.jagranjosh.com या डाउनलोड करें Jagran Josh Sarkari Naukri App**